

बिठ्ठलदास संस्कृत सीरीज

१

....

शिव संहिता

'हरि' हिन्दी व्याख्या सहित

सम्पादक एवं व्याख्याकार

पं० हरिहरप्रसाद त्रिपाठी



चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी

विषयानुक्रमणी

| विषय | पृष्ठांक | विषय | पृष्ठांक |
|---------------------------|----------|-------------------------|----------|
| गणेश-वन्दना | | उड्डयानबन्ध | ५२ |
| प्रथम पटलः | | वज्रोजी मुद्रा | ५३ |
| आत्म का लयत्व वर्णन | १ | अमरोली मुद्रा | ५६ |
| द्वितीय पटलः | | सहजोली मुद्रा | ५६ |
| तत्त्वज्ञानोपदेश | | शक्तिचालन मुद्रा | ५७ |
| तात्त्विक ज्ञान का निरूपण | १६ | पञ्चम पटलः | |
| तृतीय पटलः | | योगसाधना कथन | |
| योगाभ्यास कथन | २४ | धर्मरूपविघ्न वर्णन | ६० |
| प्राणायाम की प्रक्रिया | २७ | ज्ञानरूपविघ्न निरूपण | ६० |
| नाड़ी का शुद्धिकरण | २८ | मध्यम साधक लक्षण | ६२ |
| योगासन के प्रकार | ३९ | अधिमात्रसाधक लक्षण | ६२ |
| सिद्धासन | ३९ | अधिमात्रतमसाधक लक्षण | ६२ |
| पद्मासन | ४० | प्रतीकोपासना का वर्णन | ६३ |
| उग्रासन | ४१ | षट्चक्र विवरण | |
| स्वस्तिकासन | ४१ | मूलाधारपद्म निरूपण | ६६ |
| चतुर्थ पटलः | | स्वाधिष्ठानचक्र वर्णन | ७४ |
| मुद्रा वर्णन | | मणिपूरचक्र वर्णन | ७५ |
| योनिमुद्रा | ४२ | अनाहतचक्र वर्णन | ७५ |
| महामुद्रा | ४६ | विशुद्धचक्र वर्णन | ७६ |
| महाबन्ध मुद्रा | ४७ | आज्ञाचक्र वर्णन | ७७ |
| महावेध | ४८ | सहस्रदलीय पद्म का वर्णन | ८१ |
| खेचरीमुद्रा | ४९ | राजयोग वर्णन | ८६ |
| जालन्धर बन्ध | ५१ | राजाधिराज योग निरूपण | ८९ |
| मूलबन्ध | ५१ | शिवसंहिता की फलोपलब्धि | |
| विपरीतकरणी मुद्रा | ५२ | का वर्णन | ९५ |

